

लकुच पुं. (तत्.) बड़हर, बड़हल का वृक्ष या इसका फल।

लकुट स्त्री (तत्.) 1. छड़ी, लाठी, डंडा उदा. 'यह ले अपनी लकुट कमरिया, बहुत ही नाच नचायो'-सूरदास 2. एक प्रकार का फलदार वृक्ष, लुकाट, लखोट।

लकुटिया स्त्री (तद्.) छड़ी, डंडा, लकुटी, लठिया उदा. 'पेट-पीठ दोनों हैं मिलकर एक, चल रहा लकुटिया टेक' -नरोत्तम दास।

लक्कड़ पुं. (देश.) 1. बड़ी और मोटी लकड़ी, लट्ठा, कुंदा 2. लकड़ियों का ढेर।

लक्का पुं. (फा.) 1. चील 2. गिद्ध 3. एक प्रकार का कबूतर जिसकी गर्दन पीछे को झुकी होती है और पूँछ अधिक उठी होती है।

लक्खी वि. (देश.) 1. लाख, लाखों वाला, लखपति, जिसके पास लाखों रुपये हों 2. लाख के रंग का, लाख के रंग जैसा लक्खी 3. घोड़े की एक जाति।

लक्ष वि. (तत्.) 1. लाख, सौ हजार, लाख की संख्या 2. अस्त्र का एक प्रकार का संहार।

लक्षक वि. (तत्.) जताने वाला, प्रकट करने वाला, लक्षित करने वाला काव्य. लाक्षणिक शब्द।

लक्षण विज्ञान पुं. (तत्.) 1. आयुर्विज्ञान की एक शाखा जिसमें रोग के लक्षणों का अध्ययन किया जाता है 2. किसी रोग अथवा रोगी के समष्टि-लक्षण जिसके आधार पर रोग का निर्धारण या निदान किया जा सके।

लक्षणा स्त्री (तत्.) काव्य. एक शब्द शक्ति जो वाक्य, शब्द के वाच्यार्थ, मुख्यार्थ में बाधा आने पर रुढ़ि या प्रयोजन के आधार पर दूसरे अर्थ को व्यक्त करती है।

लक्षणलक्षणा स्त्री (तत्.) काव्य. शुद्ध लक्षणा का एक भेद लक्षणलक्षणा वाक्य के अर्थ में मुख्यार्थ को छोड़कर भिन्न अर्थ ग्रहण करने वाली लक्षणा शब्द शक्ति, इसे "जहत् स्वार्था" भी कहा जाता है।

लक्षणान्वित वि. (तत्.) लक्षणों से युक्त, अच्छे अथवा शुभ लक्षणों वाला।

लक्षणी वि. (तत्.) 1. लक्षणों वाला या वाली जैसे-कुलक्षणी बुरे लक्षणों वाली 2. लक्षणों का ज्ञाता, लक्षण-पारखी।

लक्षित वि. (तत्.) 1. जिसे लक्ष्य बनाया गया हो 2. देखा हुआ 3. जिसे ध्यान में लाया गया हो 4. निरूपित 5. वर्जित 6. कहा हुआ, निर्दिष्ट 7. चिह्नित 8. जिसकी परिभाषा की गई हो, परिभाषित 9. जिसे खोजा गया हो 10. जिसे अनुभव से जाना, समझा गया हो 11. परीक्षित।

लक्षित लक्षण स्त्री (तत्.) लक्षण का एक भेद, इंगित या निर्दिष्ट लक्षणा।

लक्षितव्य वि. (तत्.) 1. लक्ष्य बनाने योग्य, जो लक्ष्य होना, बनाना चाहिए, जो उद्देश्य होना चाहिए 2. जिसे लक्षित करना हो 3. जिसकी परिभाषा, व्याख्या की जानी हो।

लक्षिता स्त्री (तत्.) काव्य. परकीया नायिका का एक प्रकार जिसका पर-पुरुष प्रेम दूसरों को ज्ञात हो, उसके पर पुरुष-प्रेम का प्रकटीकरण उसकी अस्तव्यस्तता, उद्विग्नता, विह्वलता आदि से होता है।

लक्षितार्थ पुं. (तत्.) काव्य. लक्षणा शक्ति से प्राप्त अर्थ, लक्ष्यार्थ।

लक्षी वि. (तत्.) 1. अच्छे लक्षणों वाला 2. निशानेबाज, तीरंदाज 3. लक्ष्य रखने वाला स्त्री. 4. एक वर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 8 रगण के योग से कुल 24 वर्ण होते हैं 5. गंगोदक सवैया, गंगाधर, खंजन।

लक्ष्मण पुं. (तत्.) 1. राजा दशरथ की रानी सुमित्रा से उत्पन्न बड़ा पुत्र वह 14 वर्ष तक सौतेले भाई रामचंद्र के साथ वन में रहे, लक्ष्मण को शेषनाग का अवतार माना जाता है, सुमित्रा पुत्र होने के कारण इन्हें सौमित्र भी कहते हैं 2. सारस 3. नाग।

लक्ष्मणा स्त्री (तत्.) 1. सफेद फूल और फल वाली कंटकारी 2. एक पुत्रदा या संतानप्रद जड़ी, नागपत्री 3. श्रीकृष्ण की 8 पटरानियों में से एक रानी जो भद्र देश के राजा बृहत् सेन की पुत्री